कुलोदया मेरी नैया | By Yash Tibrewal |

कुलोदय मेरी नैया
उस पार लगा देना
अब तक तो निभाई है
आगे भी निभा देना

तू मेरी माता है
तेरी अन्नदाता है
तेरे ही दर्शन को
दरबार बुलाता है
ज़रा अपनी झलक मैया
हमको भी दिखा देना
दर्शन के प्यासे हैं
मेरी प्यास बुझा देना
अब तक तो निभाई है
आगे भी निभा देना

कुलोद है धाम तेरा
बड़ा ही मनुहारी है
तू भाग्यविधाता है
तू ही पालनहारी है
तेरा दर्शन मेरी माँ
सोए भाग्य जगाता है
हाथों की लकीरें भी
पल भर में बदल जाती हैं
अब तक तो निभाई है
आगे भी निभा देना

है सिंह सवारी तेरी
माँ दुर्गा रूप तेरा
लक्ष्मी सरस्वती संग में
दुर्लभ है भाग्य मेरा
ऐसा सलोना रूप
माँ मन को लुभाता है
पागल हो जाता हूँ
दरबार में आ करके

कुलोदय मेरी नैया
उस पार लगा देना
अब तक तो निभाई है
आगे भी निभा देना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a5%8b%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-yash-tibrewal/